● सुनो और दोहराओ :

३. अपकार का उपकार

– डॉ. दर्शनसिंह आशट

जन्म : १५ दिसंबर १९६५, बरास, पटियाला (पंजाब) **रचनाएँ :** पापा अब ऐसा नहीं होगा, मेहनत की कमाई का सुख आदि । **परिचय :** साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कृत बालसाहित्यकार डॉ. आशट जी ने पंजाबी, हिंदी, उर्दू, राजस्थानी आदि भाषाओं में लेखन किया है ।
प्रस्तुत कहानी में लेखक ने यह संदेश दिया है कि हमारे साथ दुर्व्यवहार करने वालों के साथ भी सौहार्दपूर्ण व्यवहार करना चाहिए ।

स्वयं अध्ययन

परिसर के पशु-पक्षियों की उपयोगिता पर चर्चा करो ।

किसी तालाब में एक कछुआ रहता था । तालाब के बिलकुल किनारे पर जामुन का एक पेड़ था । समय आने पर उसपर मीठे जामुनों के गुच्छे लगते । पास के गाँव से लड़के उस पेड़ के जामुन खाने के लिए आते ।

कुछ ही दिनों के बाद जामुन के उस पेड़ पर एक कौआ और उसकी पत्नी आकर रहने लगे । कौआ अक्सर दूसरों को परेशान करता रहता या लड़ता-झगड़ता रहता । जब कछुआ तालाब से निकलकर जमीन पर आता तो कौआ उसकी पीठ पर सवार हो जाता और उछल-कूद करता । कई बार तो कौआ अपनी ताकत का दिखावा करता हुआ उसे उलट-पलट भी देता। उससे दुखी था कछुआ । इसके विपरीत

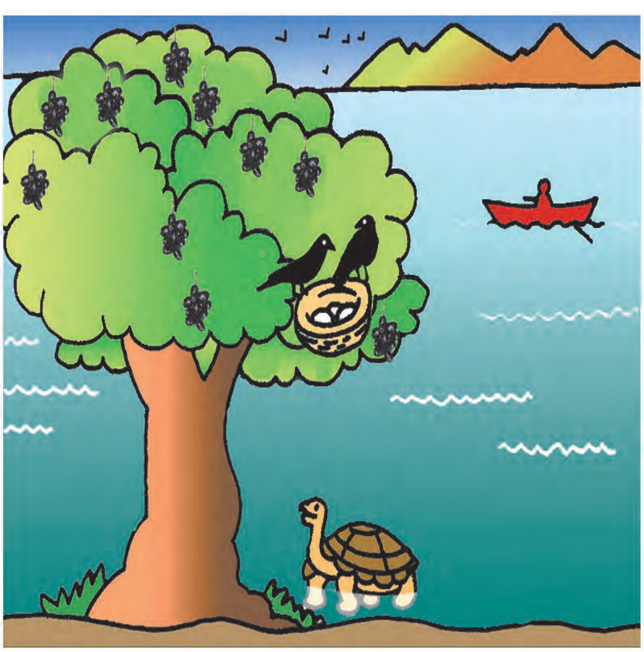

कौए की पत्नी नम्र स्वभाव की थी । पति-पत्नी के स्वभाव की असमानता से कछुआ भलीभाँति परिचित था । कछुए से दुर्व्यवहार करने के लिए पत्नी उसे अक्सर मना करती ।

एक दिन जब कछुआ तालाब से निकलकर जमीन पर धीरे-धीरे चलने लगा तो कौए की नजर उसपर जा पड़ी और वह झट से उसपर चढ़ गया । कछुए को गुस्सा आ गया । वह बोला, ''क्यों भाई कौए, मेरी पीठ पर चढ़कर मुझे तंग क्यों करते रहते हो, आखिर तुम मुझसे चाहते क्या हो ?'' ''तेरे ऊपर मजे से सवारी करना चाहता हूँ । ऐसा करने से मुझे बड़ा मजा आता है,'' हँसता हुआ कौआ बोला ।

कछुए ने पूछा, ''दूसरों को तंग-परेशान करके खुश होना, कहाँ की भलमनसाहत है ? क्या तुम भी मुझे अपनी पीठ पर बिठा सकते हो ?'' कौआ एकदम बोला, ''क्यों, मैं तुझे क्यों बिठाऊँ अपनी पीठ पर ?'' जब कौआ कछुए को और भी ज्यादा परेशान करने लगा तो कछुए ने तालाब से बाहर आना कम कर दिया ।

कुछ दिनों के बाद कौए की पत्नी ने घोंसले में अंडे दिए । उधर पेड़ पर लगे जामुनों के गुच्छे भी पकने लगे थे । एक दिन गाँव के लड़के आए और जामुन के पेड़ पर चढ़कर जामुन खाने लगे तो कौआ दंपति ने 'काँव-काँव, काँव-काँव' करके आसमान सिर पर उठा लिया । एक लड़का जब कौए के घोंसले के पास जाकर एक गुच्छे को तोड़ने का प्रयत्न करने लगा तो

❑ कहानी के किसी एक परिच्छेद का आदर्श वाचन करें । विद्यार्थियों से मुखर वाचन कराएँ । कहानी की प्रमुख घटनाओं, विशेष शब्दों पर चर्चा कराएँ । विद्यार्थियों को कहानी उनके शब्दों में कहने के लिए कहें । ब्लॉग से किसी बोधप्रद कहानी का वाचन कराएँ ।

विचार मंथन

।। जियो और जीने दो ।।

हिलने-डुलने के कारण घोंसले में से एक अंडा निकलकर सीधा तालाब में जा गिरा ।

कौआ दंपति अपना एक अंडा तालाब में गिर जाने के कारण बहुत दुखी हो गया । वे तालाब के किनारे बैठकर फूट-फूट कर रोने लगे । पानी में बैठे कछुए ने गिरते हुए अंडे को देख लिया था । कुछ ही पल बाद वही कछुआ अपने मुँह में उनका अंडा लिए बाहर आया और घास पर रखता हुआ बोला, ''शुक्र है कि तुम्हारा अंडा पानी में ही गिरा । यदि थोड़ा दूसरी तरफ गिर जाता तो टूट जाता । मैंने पानी में से ही इसे गिरते हुए देखकर मुँह में पकड़ लिया । उसके अंदर की जान बच गई है । अब चिंता की बात नहीं । यह सुरक्षित है । सँभालिए ।''

कछुए की यह बात सुनकर कौआ अपनी करनी पर बहुत दुखी हुआ । उसे अपनी एक-एक करतूत याद आ रही थी पर अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग

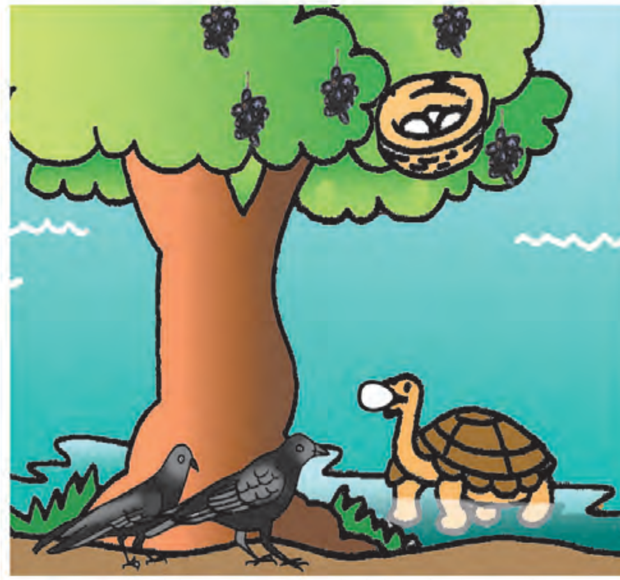

गई खेत । कछुए को धन्यवाद देने के लिए उन दोनों पति-पत्नी के पास शब्द नहीं थे ।

कौए ने कहा, ''आज मेरी आँखें खुल गईं । मैं अपने किए पर लज्जित हूँ । मैं भविष्य में किसी को कष्ट नहीं दूँगा ।'' कछुए ने कहा, '' जब जागो तभी सवेरा'' । अब सब हिल-मिलकर रहेंगे ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

अक्सर = प्रायः

दुर्व्यवहार = बुरा व्यवहार

तंग करना = परेशान करना

भलमनसाहत = सज्जनता

दंपति = पति-पत्नी

करनी = कृति

मुहावरे

आसमान सिर पर उठा लेना = शोर मचाना

फूट-फूट कर रोना = विलाप करना ।

जब जागो तभी सवेरा = जब समझो तभी अच्छा

कहावत

अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत = अवसर निकल जाने के बाद पश्चाताप का कोई लाभ नहीं ।

❑ कहानी में आए संज्ञा शब्दों की सूची बनवाएँ । इन शब्दों का वर्गीकरण संज्ञा भेदों के अनुसार करवाएँ । गुट बनाकर इस कहानी को संवाद रूप में प्रस्तुत करने के लिए कहें । कहानी में आए कौआ और कछुआ के स्वभाव के अंतर बताने के लिए प्रेरित करें ।

सुनो तो जरा

क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले के कार्य सुनो और प्रमुख कार्य सुनाओ ।

वाचन जगत से

किसी साहस कथा की घटना का पूर्वानुमान लगाते हुए वाचन करो ।

अध्ययन कौशल

किसी नियत विषय पर भाषण देने हेतु टिप्पणी बनाओ :

प्रस्तावना → विषय प्रवेश → उद्धरण, सुवचन → स्व मत

सदैव ध्यान में रखो

सदैव विनम्र शब्दों में ही निवेदन करना चाहिए ।

✲ **कौन ? बताओ :**

(क) कछुए को तंग-परेशान करने वाला = ---------।
(ग) पेड़ के जामुन खाने के लिए आने वाले = ------।
(ख) मुँह में अंडा पकड़ने वाला = ------------- ।
(घ) दुर्व्यवहार करने से रोकने वाली = ----------।

भाषा की ओर

निम्नलिखित शब्दों के वचन और लिंग बदलकर वाक्य में प्रयोग करके लिखो :

LE5HS4

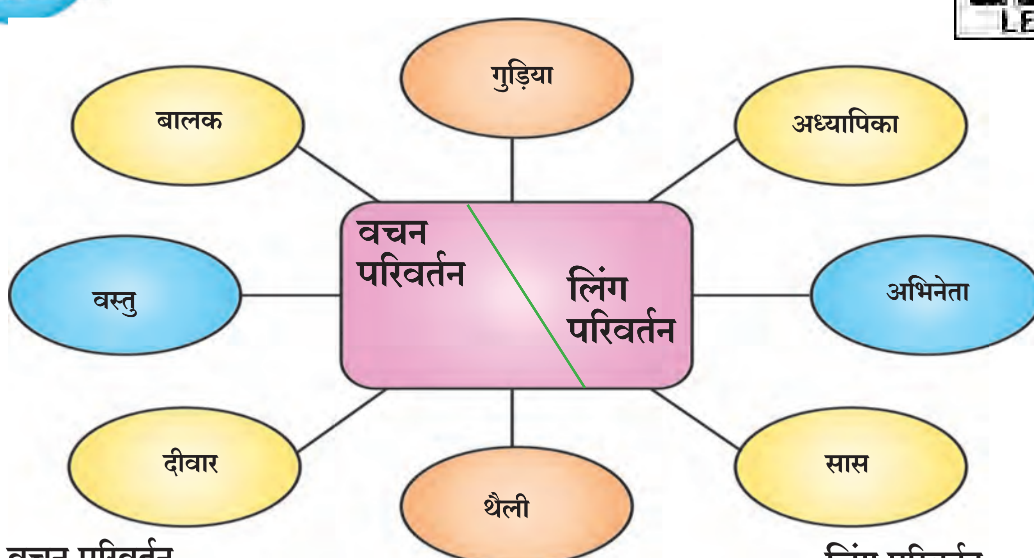

वचन परिवर्तन

१. पॉलिथिन की थैलियाँ इधर-उधर मत फेंको ।
२. ....
३. ....
४. ....

लिंग परिवर्तन

५. मेरे गुड्डे की पोशाक सुंदर है ।
६. ....
७. ....
८. ....